भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 951
गुरुवार, 8 फरवरी, 2024 / 19 माघ, 1945 (शक)को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड के लिए उड़ान योजना

951. श्रीमती गीता कोडा:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) झारखंड में उड़ान योजना के अंतर्गत घरेलू यात्रा हेतु चयनित/प्रस्तावित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) झारखंड में उड़ान योजना के अंतर्गत तैयार हो चुके और विकसित किए जाने वाले विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या झारखंड को और अधिक विमानपत्तनों से जोड़ने की मांग की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पहले ही किन गंतव्य स्थलों को जोड़ा जा चुका है और किन गंतव्य स्थलों को जोड़ा जा रहा है; और

(घ) झारखंड में उड़ान योजना के अंतर्गत हवाईपट्टियों के सबंध में किए गए सर्वेक्षण की स्थिति क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.)विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) और (ख): झारखंड में 06 हवाईअड्डों नामतः बोकारो, डुमका, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर एवं डाल्टनगंज को विकास एवं उड़ानों के परिचालन के लिए चिन्हित किया गया है। जमशेदपुर तथा देवघर हवाईअड्डे पहले से ही प्रचालित हैं। बोकारो एवं डुमका में विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। झारखंड राज्य सरकार द्वारा हजारीबाग हवाईअड्डे के विकास के लिए अपेक्षित भूमि प्रदान किया जाना अभी शेष है।

(ग) और (घ): उड़ान एक मांग आधारित योजना है जिसमें एयरलाइन प्रचालक मार्ग विशेष पर परिचालन की उपयुक्तता के अपने आंकलन के आधार पर, योजना के अंतर्गत समय-समय पर आयोजित बोली प्रक्रिया में अपनी बोली प्रस्तुत करते हैं। एक हवाईअड्डा जो उड़ान योजना के अंतर्गत अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल है और जिसे उड़ान प्रचालनों को शुरू करने के लिए स्तरोन्नयन/विकास की आवश्यकता है उसे 'अप्रचालित और अल्पप्रचालित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत विकसित किया जाता है। क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान योजना के अंतर्गत, झारखंड में बोली के लिए उपलब्ध अप्रचालित/अल्पप्रचालित हवाईपट्टियां चाईबासा, चकुलिया, डलभूमगढ़, डाल्टनगंज, धनबाद, डुमका, गिरीडीह,जमशेदपुर और सिंदरी हैं।

******